Date-22/7/2021 Day- Thursday

पाठ -17 जल ही जीवन है

* पाठ-प्रवेश :

प्रत्येक प्राणी को जीवन जीने के लिए जल की आवश्यकता पड़ती है। जल के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। जल जीवन का पर्याय है। अतः जल का संरक्षण करना हम सबका उत्तरदायित्व है।

* शब्दार्थ-

1) गृहकार्य - घर का काम 2) दूषित - खराब
3) अभिन्न - जिसे अलग न किया जा सके 4) लवण - नमक
5) रोज़मर्रा - प्रतिदिन 6) संगठित - इकट्ठा
7) दर्शाना - दिखाना 8) पनपाना - विकसित होना
9) बंदरगाह - जहाँ पानी के जहाज़ खड़े होते हैं
10) वनस्पति - पेड़-पौधे 11) निकासन - निकालना
12) सीमित - एक-सिमा तक 13) रुख - दिशा
14) मँडराना - घुमना

* आगत शब्द

1) स्कुल - (अंग्रेजी) 2) ज़िद - (अरबी) 3) कुलर - (अंग्रेजी)
4) हिस्सा - (अरबी) 5) काफी - (अरबी) 6) दुनिया - (अरबी)
7) खारा - (फारसी) 8) ज़रूरत - (अरबी) 9) मीटर - (अंग्रेजी)

* वर्तनी - वैभिन्य

पुर्व रूप		मानक रूप
1) प्रारम्भ	—	प्रारंभ
2) ण्डी	-	ंडी
3) बन्दरगाह	—	बंदरगाह
4) गन्ध	-	गंध
5) चिन्ह	-	चिह्न
6) गन्दगी	-	गंदगी